चोटिल तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स कंधे की चोट के बावजूद ओवल टेस्ट के आखिरी दिन बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध हैं।
- जो रूट

इंग्लैंड के ऑलराउंडर, क्रिस वोक्स के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सूर्यकुमार यादव

भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में पुनर्वास और फिटनेस आकलन के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर में रिपोर्ट की थी। पूरी तहर फिट न होने के कारण उन्हें पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने दलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार ने उन्हें सूचित कर दिया था कि उन्होंने सीओई जांच करा ली है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट में रनों के लिहाज से भारत की सबसे कम अंतर से जीत, पहली बार विदेशी सीरीज में जीता पांचवां मैच।

भारत ने इंग्लैंड को छह रनों से हराकर बनाये कई रिकॉर्ड

सिराज का पंजा, भारत ने 2-2 से बराबर की सीरीज

लंदन, 4 अगस्त। भारत ने सोमवार को पांचवें टेस्ट मैच में इंग्लैंड को छह रनों से हराकर कई रिकार्ड बनाये। ओवल में यह छह रनों की टेस्ट में भारत की सबसे छोटी जीत है। इससे पहले भारत ने 2004 में मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 107 रनों का बचाव करते हुए 13 रन से मैच जीता था। यह छह रन की हार इंग्लैंड की टेस्ट में तीसरी संयुक्त सबसे छोटी हार भी है। पांचवां विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड का स्कोर 332 रन था । इससे पहले केवल एक बार ऐसा हुआ है कि किसी टीम ने पहले पांच साझेदारियों में इतने रन बनाए हों और फिर भी हार गई हो। 1977 में इंग्लैंड 463 रन के लक्ष्य में 346/5 पर था, लेकिन 45 रन से हार गया।

मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा टेस्ट में दोनों पारियों में चार या उससे अधिक विकेट लेने वाली भारत की दूसरी जोड़ी बने। इससे पहले 1969 में दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिशन सिंह बेदी और एरापल्ली प्रसन्ना ने यह उपब्धिक हासिल थी। ओवल में सिराज और प्रसिद्ध का प्रदर्शन किसी टीम के लिए दोनों पारियों में दो गेंदबाजो के चार-चार विकेट लेने का 15वां उदाहरण है। पिछली बार इंग्लैंड के लिए 2012-13 में मुंबई में मोंटी पनेसर और ग्रेम स्वान ने ऐसा किया था। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पूरी सीरीज में उनकी शानदार बल्लेबाजी के

लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' और मोहम्मद सिराज को आखिरी मैच में नौ विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' नवाजा गया। इस सीरीज में मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ 23 विकेट लिए जो कि टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड में किसी भारतीय गेंदबाज के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक हैं। उन्होंने जसप्रीत बुमराह की 2021-22 की 23 विकेटों की बराबरी की। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज ने 30.1 ओवर में 104 रन देकर पांच विकेट लिये। जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 27 ओवर में 126 रन देकर चार विकेट झटके। आकाश दीप ने एक बल्लेबाज को आउट किया। जो रूट और हैरी ब्रूक के बीच चौथी पारी हार के बावजूद यह 195 रनों की साझेदारी, दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इससे बड़ी साझेदारी 204 रनों की थी, केएल राहुल और ऋषभ पंत के बीच, 2018 में ओवल में ही हुई थी। रूट और ब्रूक ऐसे सातवें बल्लेबाजी जोड़ी बने जिन्होंने चौथी पारी में शतक लगाए और फिर भी हार का सामना किया। इससे पहले ऐसा आखिरी बार राहुल और पंत ने 2018 में किया था।

यह लगातार चौथी टेस्ट सीरीज हैं जिसमें इंग्लैंड भारत के खिलाफ सीरीज नहीं जीत पाया। आखिरी बार उन्होंने भारत को 2018 में 4-1 से हराया था। भारत के खिलाफ इंग्लैंड की सबसे लंबी बिना सीरीज जीत की लकीर 1996 से 2011 के बीच पांच सीरीज की रही है। विदेशी धरती पर किसी टेस्ट सीरीज के पांचवें या छठे मैच में भारत का जीत-हार का रिकॉर्ड 1-10 का है। ओवल में छह रन की जीत से पहले भारत ने ऐसे 17 में से 10 मैच हारे थे, जबकि सात ड्रॉ रहे। घरेलू मैदान पर कुल 27 मैचों में भारत का ऐसे टेस्ट में रिकॉर्ड 7-4 है।

सुबह मैं कर सकता हूं कि स्क्रीन शॉट का वॉलपेपर लगाया : सिराज

लंदन, 4 अगस्त। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि सुबह उठने के बाद मैंने सोचा कि मैं कर सकता हूं, मैंने गूगल से एक स्क्रीनशॉट लिया और उसे वॉलपेपर लगाया। इंग्लैड पर छह रनों की रोमांचकारी जारी के बाद मोहम्मद सिराज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हर किसी ने कड़ी मेहनत की और हम अंत तक मिलकर लड़े। मेरी एक ही योजना थी कि मैं निरंतरता के साथ सही लेंथ हिट करते रहूं। प्लेयर ऑफ द मैच सिराज ने कहा कि सुबह उठने के बाद मैंने सोचा कि मैं कर सकता हूं, मैंने गूगल से एक स्क्रीनशॉट लिया और उसे वॉलपेपर लगाया। ब्रूक का विकेट गेम चेंजिंग मोमेंट था, अगर मैंने वो कैच ले लिया होता तो मैच शायद इस स्थिति में पहुंचता नहीं है। ब्रूक ने बेहतरीन पारी खेली। लॉर्ड्स में आउट होने दिल तोड़ने जैसा पल था, जडेजा भाई ने मुझे यही कहा था कि मैं खेलते रहूं और अपने पिता के बारे में सोचते रहूं कि उन्होंने यहां तक मुझे पहुंचाने के लिए कितनी मेहनत की थी।

हमें पता था कि इंग्लैंड के खेमे में दबाव है : गिल

लंदन, 4 अगस्त। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हमें पता था कि इंग्लैंड के खेमे में दबाव है और हम इसी सोच के साथ मैदान में आये कि उन पर दबाव बनाये रखना है। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में शुभमन गिल ने कहा इस सीरीज में दोनों टीमों ने बढ़िया प्रदर्शन किया हर मैच अंतिम दिन तक पहुंचा जो कि दोनों टीमों के प्रदर्शन के बारे में बताता है। प्लेयर ऑफ द सीरीज से सम्मानित गिल ने कहा कि सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज़ जब गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो बतौर कप्तान अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं होती। दोनों गेंदबाज जानते हैं कि गेंद को कैसे हरकर कराना है। हमें पता था कि इंग्लैंड के खेमे में दबाव है और हम इसी सोच के साथ आए थे कि उनके ऊपर से दबाव कम नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन से मैं बेहद खुश हूं और इस सीरीज से पहले मैंने बेहद मेहनत की थी।

किन सुरक्षा मानकों पर सीटिंग अरेंजमेंट खरा उतरने पर अनुमति दी गई ?

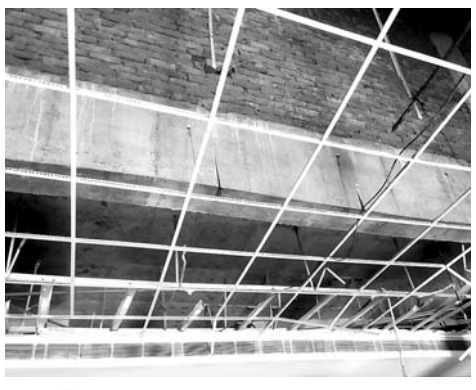

जयपुर, 4 अगस्त। सवाई मानसिंह स्टेडियम के साउथ ब्लॉक में 400 सीटों की क्षमता बढ़ाने को लेकर चले निर्माण कार्य को लेकर बीसीसीआई वेन्यू ऑपरेशन टीम , राजस्थान रॉयल्स के राजीव खन्ना और खेल विभाग के खेल सचिव नीरज के. पवन ने पूरे स्टेडियम का दौरा किया था ओर 13 अप्रैल को होने वाले जयपुर के पहले मैच की तैयारियों का जायजा लिया था। नीरज पवन के अनुसार निर्माण कार्य युद्धस्तर पर अपनी मंज़िल की ओर बढ़ा ओर दिन रात काम करवाया गया था। एमएनआईटी के द्वारा सुरक्षा मानकों को नज़र अंदाज़ नही किया गया। अगर कोई दुर्घटना हो भी जाती है तो जिसको ये काम सौंपा गया है वो जिम्मेदार होगा। अगर साउथ ब्लॉक में सीटिंग अरेंगमेंट में आखिरी पल में भी किसी की जान का जोखिम नज़र आया तो सीटिंग की अनुमति नही दी जाएगी।

यह है साउथ पवेलियन का मामला

इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले के दौरान राजस्थान रॉयल्स ने सवाई मानसिंह स्टेडियम के रिनोवेशन के लिए 9 करोड़ 85 लाख खर्च किए थे। इसमें लगभग 2 से 3 करोड़ रुपए का खर्चा साउथ ब्लॉक को फिर से तैयार करने के लिए किया गया था। 11 अप्रैल को ये पूरा हुआ था। रिनोवेशन के लिए जो राशि राजस्थान रॉयल्स ने खर्च की थी। खेल परिषद द्वारा उसका भुगतान राजस्थान रॉयल्स को किया जा चुका है। लेकिन स्टेडियम में साउथ ब्लॉक पहली बारिश ही नहीं झेल पाया है। जिससे सरकार के करोड़ों रुपए बर्बाद हो गए है। ग्राउंड फ्लोर पर बने हॉल और दोनों ड्रेसिंग रूम में डक्टिंग के माध्यम से पानी फर्श पर भर रहा है। फर्स्ट फ्लोर पर बने हॉल की फॉल सीलिंग गिर चुकी है। उस पर लगी सभी लाइट्स लटक गई है। वुडन फ्लोरिंग भी पूरी तरह से खराब हो चुकी है। शेन वॉर्न गैलरी पर कैमरा पर्सन के लिए बने लोहे के स्ट्रक्चर पर पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। शेन वॉर्न गैलरी का ड्रेनेज सही नहीं होने के कारण पानी का निकास व्यवस्थित नहीं है।

अब काम की लीपापोती कर रही है राजस्थान रॉयल्स

जयपुर, 4 अगस्त। शेन वॉर्न गैलेरी में बनाए गए नए दर्शक स्टैंड में सीढ़ियों पर वाटर प्रूफिंग का कार्य अब करवाया जा रहा है जिससे बारिश का पानी पूरी बिल्डिंग में नीचे तक नहीं आ पाए जिससे पूरी बिल्डिंग को नुकसान ना हो। लेकिन साउथ पवेलियन की दीवारें अपनी बर्बादी की कहानी खुद तस्वीरों से बयां करती नजर आ रही है। ईंटों की चुनाई करके उसे वैसे ही छोड़ दिया गया है और तो और उसी ईंटों की दीवार पर लोहे की बड़ी एंगल को बिल्डिंग का वजन सहने के लिए बिना प्लास्टर किए ही लीपापोती कर दी गई। लोहे की प्लेट लगाकर छत डाल दी गई उसके नीचे कोई प्लास्टर नहीं किया गया। एसीसी के ब्लॉक लगा कर साउथ पवेलियन की दीवारें खड़ी कर दी गई थीं लेकिन पूरे साउथ पवेलियन की दीवारों पर प्लास्टर नहीं किया गया था जो साफ तौर पर दिखाई देती हैं। सिर्फ लकड़ी या प्लास्टिक के बोर्ड लगा कर चालू काम कर आईपीएल मैचों का आयोजन करवा दिया गया। ये तो गनीमत रही कि उस वक्त ऐसी बरसात नहीं हुई जैसी अभी हो रही है नहीं तो कोई भी हादसा हो सकता था। साउथ पवेलियन के काम को किस सुरक्षा प्रणाली ओर किस सुरक्षा मानकों के अनुसार एमएनआईटी द्वारा एनओसी दी गई। आने वाले समय में जयपुर में डोमेस्टिक टूर्नामेंट के अलावा प्राइवेट टूर्नामेंट आयोजित किये जाएंगे अगर ऐसी स्थिति में किसी टूर्नामेंट का आयोजन होता है तो खिलाड़ियों ओर उनके साथ आए मेहमानों, दर्शकों की जान मुश्किल में आ सकती है। कोई भी दुर्घटना साउथ पवेलियन में कभी भी होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। सिर्फ दुबारा से फोर्सिलिंग नए लगा कर साउथ पवेलियन की दीवारों की कमी को छुपाया नहीं जा सकता। अगर अभी भी इस साउथ पवेलियन के काम को सीरियसली नहीं लिया गया तो कभी भी किसी होने वाले हादसों से बचा नहीं जा सकता। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा इस पूरे मामले में किस तरह की लापरवाही की जा रही है उनके खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जाना चाहिए।

खेलमंत्री के एसएमएस स्टेडियम का नक्शा बदलकर नया स्वरूप दिये जाने पर पानी फिरता नजर आ रहा है

जयपुर, 4 अगस्त। खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा था कि जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दर्शकों के बैठने के लिए अलग अलग ब्लॉक में सीटिंग व्यवस्था को बढ़ाया जाएगा। क्रिकेट देखने के साथ साथ दर्शकों को बेहतर सुविधाएं मिल सके इसके लिए आने वाले वर्षों में सीटिंग कैपेसिटी डबल करने का प्रयास करेंगे। सवाई मानसिंह स्टेडियम के साउथ पवेलियन को रिनोवेट किया है। लगभग साढ़े 12 करोड़ रुपए की लागत से यह काम किया गया है। इससे वहां एक हजार लोगों के बैठने की सिटिंग कैपेसिटी भी डेवलप की गई है। जो काफी शानदार है। दो दशक पुरानी घास को भी बदल कर नई घास लगाई जाएगी। नाइट मैच के लिए भी अभी जोलाइट लगी है उसमें नई लाइट ओर लगाकर स्टेडियम को जगमग किया जाएगा। इसके साथ ही क्रिकेटर्स के लिए जो भी अत्याधुनिक सुविधाएं होनी चाहिए जिससे इंडियन प्रीमियर लीग के अगले साल होने वाले मुकाबलों से पहले स्टेडियम का एक नया स्वरूप निकलकर सामने आएगा।

पैरा एथलीट सुनील कुमार साहू ने उपमुख्यमंत्री से की भेंट

पैरालंपिक की तैयारी को मिला समर्थन

जयपुर, 4 अगसत आज जनसुनवाई के दौरान प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से देश के होनहार पैरा एथलीट सुनील कुमार साहू ने मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में 7वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चैंपियनशिप में लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। सुनील कुमार साहू अब तक राष्ट्रीय स्तर पर 18 मेडल जीत चुके हैं, जिनमें 11 स्वर्ण पदक शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में छह बार राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले इस युवा एथलीट ने अब पैरा ओलंपिक की तैयारी शुरू कर दी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उनकी उपलब्धियों पर उन्हें साधुवाद दिया और कहा कि, सुनील जैसे प्रतिबद्ध और प्रेरणादायक खिलाड़ी हमारे देश की असली शक्ति हैं। राज्य सरकार उनकी पैरालंपिक यात्रा में हर संभव सहयोग देगी। सुनील ने उपमुख्यमंत्री को अपनी यात्रा, संघर्ष और भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनकी प्रशिक्षण, सुविधाओं और आवश्यक संसाधनों के लिए हर स्तर पर सहायता सुनिश्चित की जाए। सुनील की यह उपलब्धि न केवल राजस्थान बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व की बात है।

जिला एथलेटिक प्रतियोगिता 13 व 14 को एसएमएस स्टेडियम में

जयपुर, 4 अगस्त। जिला जूनियर एथलेटिक प्रतियोगिता 13 व 14 अगस्त 2025 को होना निश्चित हुआ है। प्रतियोगिता लड़के एवं लड़कियों के वर्ग में संपन्न होगी। प्रतियोगिता 14, 16,18,20 वर्ष के आयु वर्ग के लड़के व लड़कियों में संपन्न होगी। इच्छुक प्रतियोगी आयोजन सचिव अशोक धाकड़ को मोबाइल नंबर 9694504397 पर अपनी प्रविष्टि दे देवें। चयनित एथलीट राज्य एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जो की 27 से 28 अगस्त 2025 को लड़कों की एवं 29 व 30 अगस्त को लड़कियों की प्रतियोगिता बीकानेर में संपन्न होगी उसमें भाग लेंगे। प्रतियोगिता सुबह 13 को एसएमएस स्टेडियम जयपुर के एथलेटिक ट्रैक पर सुबह 7 बजे चालू होगी।

एचसीएल इंडिया टूर स्क्वैश : महिला वर्ग में भारत की 8 खिलाड़ी अंतिम 16 में

भारत के अयान, आर्यवीर, ओम और संदेश पुरुष वर्ग के प्री-क्वार्टर में पहुंचे

जयपुर, 4 अगस्त। भारत के अयान वजीरअली, आर्यवीर दीवान, ओम सेमवाल और संदेश पीआर ने सोमवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर शुरू हुए एचसीएल इंडिया टूर स्क्वैश टूर्नामेंट के पहले दिन अपने मुकाबले जीत पुरुष वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। महिला वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों ने पहले राउण्ड में जीत दर्ज करते हुए अंतिम 16 के राउण्ड में जगह बना ली।

भारत के अयान वजीर अली ने पहले दौर के मुकाबले में इंडिया के ही मोहित भट्ट को 11-7, 11-6, 9-11, 6-2 (रिटायर) से पराजित किया। पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में आर्यवीर दीवान ने यूसुफ एलशेरिफ (मिस्त्र) को 12-21, 8-11, 11-9, 11-9 से और संदेश रवि कुमार ने मलेशिया के ताय जुन कुआन को 11-6, 11-6, 13-11 से पराजित किया। भारत के ओम सेमवाल को मिस्त्र के मारवान तमीर के खिलाफ वाकओवर मिल गया। भारत के राहुल बैथा को मिस्त्र के सैफ रेफाय के

खिलाफ 7-11, 6-11, 11-8, 1-6 (रिटायर) हार का सामना करना पड़ा।

महिला वर्ग में भी भारत की 8 खिलाड़ियों ने अपने पहले दौर के मुकाबले जीत अंतिम 16 के ड्रॉ में जगह बना ली। पहले दौर के मुकाबले में 6-1 के स्कोर पर सानवी बतर के रिटायर होने पर महक तलाती को प्री क्वार्टर में जगह मिल गई। पहले राउण्ड से अन्य मैचों में सुनीता पटेल ने राजस्थान की छवि सारण को 11-9, 11-5, 8-11, 11-4 से, पूजा आरती रघु ने आराधना कस्तूरी राज को 11-2, 11-5, 11-3 से, ईशा श्रीवास्तव ने कोरिया की यूजिन शिन को 11-6, 11-4, 11-4 से, रथिका एस सीलन ने सान्या वत्स को 7-11, 12-10, 7-11, 11-3, 16-14 से, अनिका दुबे ने तनिष्का जैन को 11-9, 7-11, 11-8, 10-12, 16-14 से, उन्नित त्रिपाठी ने मिस्त्र की मोना तमेर को 11-8, 11-5, 1-11, 11-5 से हरा प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा के अनुसार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 32-32 के ड्रॉ में टॉप-8 रैंकिंग प्लेयर्स को पहले दौर में बाय के साथ सीधे प्री क्वार्टर फाइनल में जगह मिल गई।

दिलीप सिंह करेंगे म्यांमार में भारतीय महिला अंडर-20 टीम के प्रतिनिधि मंडल की अगुवाई

जयपुर, 4 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत को आगामी एशियाई फुटबॉल चैंपियनशिप अंडर-20 - महिला एशिया कप 2026 क्वालीफायर के लिए भारत की अंडर-20 टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख नियुक्त किया है। यह टूर्नामेंट 4 से 11 अगस्त 2025 तक म्यांमार के यंगून में आयोजित होगा।

राजस्थान फुटबाल संघ के पदाधिकारी ओर जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के सदस्य अब्दुल जब्बार, हितेश शर्मा, मनोज शर्मा, डॉ दिलीप सिंह चुंडावत और सेबी फिलिप्स ने राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर मिली इस विशेष जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की है। संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि इतिहास में पहली बार राजस्थान फुटबाल संघ के किसी पदाधिकारी को एशिया कप के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख की जिम्मेदारी मिली है और इसका श्रेय राजस्थान फुटबाल संघ के द्वारा विगत कुछ वर्षों में सफलतापूर्वक अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के कार्यक्रमों को आयोजित करने के कारण बने विश्वास और राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत की कुशल प्रशासनिक कौशल के कारण संभव हो पाया है। भारतीय टीम को ग्रुप डी में रखा गया है जिसका सामना 6 अगस्त को इंडोनेशिया, 8 अगस्त को तुर्कमेनिस्तान और 10 अगस्त को मेजबान म्यांमार से होगा।

मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश हूं : स्टोक्स

लंदन, 4 अगस्त। इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश हूं। भारत के छह रन से मैच जीतने पर बेन स्टोक्स ने कहा कि गेम ना खेल पाना कठिन है। दोनों ही टीमों ने इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया और अपनी पूरी ऊर्जा के साथ खेला। इस सीरीज का हिस्सा रहना गर्व का हिस्सा रहा और मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश हूं। (वोक्स को बल्लेबाजी के लिए भेजने पर) यह दर्शाता है कि इन खिलाड़ियों के लिए देश के लिए खेलना कितना मायने रखता है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड और भारत की सीरीज हमेशा एक बड़ी सीरीज होती है और कई बार भावनाएं खुलकर सामने आ जाती हैं। हर कोई अपने देश का प्रतिनिधित्व करने आता है। जब आप मैच की शुरुआत में एक गेंदबाज कम हो जाते हैं तो अन्य गेंदबाजो के ऊपर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ जाती है।

गिल भारतीय टेस्ट टीम को नई ऊंचाईयों पर ले जाएंगे : के.एल. राहुल

लंदन, 4 अगस्त। भारतीय टीम के सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल ने कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा है कि शुभमन अद्भुत रहे हैं। उन्होंने वाकई आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ वाकई कड़ी मेहनत की है। वह रणनीतिक रूप से वाकई अच्छे रहे हैं। उन्होंने जो भी बदलाव किए हैं, उनसे हमें हमेशा किसी न किसी तरह विकेट मिले हैं। वह आगे भी निखरेंगे। वह एक लीडर के रूप में बने रहेंगे और इस भारतीय टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट और सीरीज ड्रॉ पर प्रसारक से बातचीत करते हुए राहुल ने कहा, यह (टेस्ट क्रिकेट) मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैंने कुछ समय तक क्रिकेट खेला है।

अमित असावा बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा शिक्षण संकाय के रूप में नामित

जयपुर, 4 अगस्त। राजस्थान के एकमात्र बीसीसीआई-मान्यता प्राप्त लेवल 3 कोच अमित असावा को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा 4 से 7 अगस्त 2025 (ऑनलाइन) और 11 से 15 अगस्त (ऑन-साइट) तक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बैंगलोर में आयोजित होने वाले फास्ट ट्रैक हाइब्रिड लेवल 2 कोच कोर्स के लिए शिक्षण संकाय के रूप में नियुक्त किया गया है। अमित असावा 2013-14 के दौरान आरसीए अकादमी के निदेशक भी रहे हैं। यह कोर्स विशेष रूप से उन फास्ट ट्रैक क्रिकेटरों के लिए डिज़ाइन किया गया है जिन्होंने 75 से अधिक प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। कुछ नाम हैं - प्रशांत चोपड़ा (एचपीसीए), शेल्डन जैक्सन (सौराष्ट्र), बी. अपराजित (टीएनसीए), अंकित राजपूत (यूपीसीए), विजय शंकर (टीएनसीए), अशोक मेनारिया (आरसीए), सुश्री पूनम यादव (आरएसपीबी) इस पाठ्यक्रम में भाग लेंगे।

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व टीम आज करेगी निर्माणधीन चौंप स्टेडियम का दौरा

जयपुर, 4 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट संघ के नवगठित आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत अपनी टीम के साथ कल दिनांक 5 अगस्त को जयपुर के चौंप में निर्माणाधीन आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का दौरा करेगी। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत व उनकी टीम चौंप में निर्माणाधीन आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के अभी तक के निर्माण का निरीक्षण व समीक्षा करेगी।

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावतने कहा की जब से एडहॉक कमेटी का गठन हुआ है उनका व सभी सदस्यों का पूरा प्रयास रहा है की राज्य के युवा खिलाडियों के लिए हर स्तर पर उचित खेल का वातावरण व सहायता उपलब्ध कराई जाये जिससे उन्हें आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र में न केवल खेलने का मौका मिले साथ ही उन्हें उच्च स्तरीय विकेट , मैदान व प्रशिक्षित मैच ऑफिशल्स उपलब्ध हो सके।

संयोजक के अनुसार राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के विजन राज्य में खेल व खिलाडियों के उच्चस्तरीय विकास की राह से न केवल सभी अवरोधों को दूर करना साथ जी युवा खिलाडियों को सभी संभव विकसित तकनीक उपलब्ध कराने के साथ राज्य में बेहतर खेल का माहौल बने की कड़ी में हम लगातार कार्य कर रहे हैं। उनके अनुसार आरसीए द्वारा आयोजित किये जाने वाले 2 दिवसीय आरसीए एम्पायर व स्कोरर (पुरुष व महिला) फ्रेशर सेमिनार हेतु बीसीसीआई पैनल के अंपायर व स्कोरर को फैकल्टी बनाया गया है जिससे इस सेमिनार में भाग लेने वाले राज्य के सभी अंपायर व स्कोरर को न केवल उनके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त होगा साथ ही उनके अनुभव का फायदा भी मिलेगा।

आरसीए अंपायर व स्कोरर रिफ्रेशर सेमीनार का उद्घाटन आज

आज सुबह 10:30 बजे होटल क्लार्क आमेर में किया जायेगा। उद्घघाटन समारोह के दौरान आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत व सदस्य मौजूद रहेंगे। आरसीए अंपायर व स्कोरर रिफ्रेशर सेमिनार हेतु बीसीसीआई अंपायर फैकल्टी -अनिल चौधरी, तपन शर्मा, गजानंद वशिष्ठ, राजीव गोदारा, कमलेश शर्मा। स्कोरर फेकल्टी :- मनोज भटनागर, ओ पी शर्मा, दीपक शर्मा, तपेश कौशिक। संयोजक के अनुसार आरसीए द्वारा आयोजित होने वाले अंपायर व स्कोरर फ्रेशर सेमिनार से मैच ऑफिशियल को न केवल लाभ मिलेगा साथ ही उन्हें खेल के दौरान आने वाली सभी परिस्थितियों में किस प्रकार धैर्य, संयम व एकाग्रचित होकर क्या निर्णय लेना से जिस से खेल व खिलाडी का भविष्य उज्जवल हो व खेल को किसी भी प्रकार से कोई हानि न पहुंचे उस निर्णय को लेने में आसानी होगी।